वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 314 | मंगलवार 14 मार्च 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मिलेट्स में रिसर्च के लिए राज्य में मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर

दूरगामी सोच से ही कृषि उत्पादन और उद्यमिता में राजस्थान अग्रणी: गहलोत

दो दिवसीय राजस्थान मिलेट्स कान्क्लेव-2023 का किया उद्घाटन

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि किसानों के सर्वांगीण विकास की योजनाएं लागू करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। कृषक कल्याण और कृषि क्षेत्र विकास में राज्य सरकार ने अपनी अहम भूमिका निभाई है। विधानसभा में दो बार पृथक कृषि बजट पेश कर पूरे देश में ऐतिहासिक पहल की। इसी का सुखद परिणाम है कि किसानों के साथ-साथ स्टार्टअप्स और उद्यमियों को आगे बढ़ने के सुअवसर मिले हैं। उन्होंने कहा कि किसानों और पशुपालकों को उचित सम्मान देना हमारा कर्तव्य है। गहलोत सोमवार को दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान में आयोजित राजस्थान मिलेट्स कॉन्क्लेव-2023 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मिलेट्स की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने और कृषि अनुसंधान पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। राजस्थान में मिलेट्स पर रिसर्च के लिए मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध है। लगभग 42 कृषि महाविद्यालयों की स्थापना की गई है। इससे युवा पीढ़ी को कृषि क्षेत्र में उच्च शिक्षा ग्रहण कर भविष्य संवारने के अवसर मिल रहे हैं। हाल ही में वेटेनरी यूनिवर्सिटी की भी घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि अनुसंधान के परिणाम स्वरूप हरित क्रांति का आगाज हुआ, जिसके सफल नतीजे हमारे देश ने प्राप्त किए और हम खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके। उन्होंने कहा कि कृषि अनुसंधान से किसानों को भविष्य के लिए अपनी फसल तैयार करने में लाभ मिलेगा। कॉन्क्लेव में मिलेट्स का बेहतर उत्पादन, प्रबंधन और विपणन करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण सुझाव सामने आएंगे। गहलोत ने कहा कि किसानों के लिए प्रतिमाह 2000 यूनिट निःशुल्क बिजली उपलब्ध कराने का बजट प्रावधान किया है।

राजकिसान सुविधा एप लॉन्च

मुख्यमंत्री ने राजकिसान सुविधा एप लॉन्च किया। इसमें योजनाओं के आवेदन और उनकी स्थिति जानी जा सकेगी। साथ ही, गहलोत ने राजस्थान कृषि प्रसंस्करण, कृषि व्यवसाय एवं कृषि निर्यात प्रोत्साहन नीति-2019 की सफलता की कहानियों से संबंधित बुकलेट का विमोचन भी किया। इस दौरान ''समृद्ध किसान-खुशहाल राजस्थान'' लघु फिल्म भी दिखाई गई। कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ से भूपेन्द्र सिंह, नागौर से श्रीमती पतासी देवी, जयपुर से दिनेश कुमार चौधरी, घासीराम जाट, भीलवाड़ा से विष्णु, बांसवाड़ा से कुरेश बागीदोरा, सीकर से हनुमानराम, अलवर से सूरजभान एवं जोधपुर से जितेन्द्र सिंह सांखला को एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एजेंसी (आत्मा योजना) में राज्य स्तरीय कृषक पुरस्कार से सम्मानित किया।

जैन राजनीतिक चेतना मंच मध्य प्रदेश की नई कार्यकारिणी घोषित

इंदौर. शाबाश इंडिया

चांदखेडी झालावाड़ में जैन राजनीतिक चेतना मंच का राष्ट्रीय अधिवेशन व राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष गजराज गंगवाल (दिल्ली)की अध्यक्षता में संपन्न हुई। अधिवेशन में पूर्व केबिनेट मंत्री भारत शासन प्रदीप आदित्य पूर्व केबिनेट मंत्री राजस्थान शासन जीवराज सिंधवी तथा सभी पदाधिकारी उपस्थित हुए। जैन समाज के संजीव जैन संजीवनी ने बताया कि बैठक में म प्र की नयी कार्यकारिणी की घोषणा की गई। प्रदेश अध्यक्ष सुभाष काला भोपाल, प्रदेश महामंत्री टीके वेद इन्दौर, प्रदेश कार्याध्यक्ष हंसमुख गांधी, मीडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू इंदौर की घोषणा की गई । शेष पदाधिकारियों का मनोनयन स्थानीय स्तर पर किया जायेगा। बैठक में मुख्य रूप से यह प्रस्ताव पारित हुआ की जैन जनसंख्या जो पुरे भारतवर्ष मे 3 करोड़ से ज्यादा है शासकीय गणना अनुसार मात्र 45 लाख है। इसका एक मात्र कारण जैन समाज द्वारा अपने नाम के साथ अपना सर नेम लिखना है इस संबंध में जागरण की आवश्यकता है। जैन समाज जो सर्वाधिक शिक्षित व जागरूक समाज है उसका राजनीति में हिस्सा कम है उसे बढ़ाना है। इस हेतु जन जागरण व जागरूकता रैली निकालने की योजना बनाई गई।

राजस्थान अस्पताल शुरू करेगा चेस्ट पेन क्लीनिक

हार्ट अटैक आने पर जल्दी ही जरूरी है..? राईट ट्रीटमेंट, राईट टाइम के साथ हार्ट को सुरक्षित करना

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान अस्पताल, आरएचएल हार्ट सेंटर, हार्ट पेशेंट, विशेषकर चेस्ट पेन वाले मरीजों के लिए त्वरित इलाज शुरू करने के उद्देश्य से चेस्ट पेन क्लीनिक की शुरूआत कर रहा है। हार्ट अटैक आने पर जल्दी ही जरूरी है..? राईट ट्रीटमेंट, राईट टाइम के साथ हार्ट को सुरक्षित करना। जैसा कि विदित है, किसी भी व्यक्ति को हार्ट अटैक आने पर शुरू का एक घंटा उसकी जिंदगी बचाने के लिए महत्वपूर्ण होता है, जिसे क्लीनिकल भाषा में गोल्डन ऑवर कहते हैं। इस समयावधि में मरीज का इलाज शुरू हो जावे तो हार्ट अटैक के कारण मरीज के हार्ट को होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है। राजस्थान अस्पताल के वाइस चेयरमेंन और आरएचएल हार्ट सेंटर के चेयरमेंन डॉ. रविन्द्र सिंह राव ने बताया कि चेस्ट पेन क्लानिक में संपर्क करने के लिए एक इमरजेंसी मोबाइल नम्बर 9828888806 जारी किया गया है। किसी भी व्यक्ति को चेस्ट में पेन होने पर वह व्यक्ति अथवा उनके परिवारीजन इस नम्बर पर संपर्क कर सकते हैं। लक्षण बताए जाने पर फोन पर ही हृदय रोग विशेषज्ञ की सलाह पर इलाज की प्रक्रिया / दवाइयां शुरू की जा सकेंगी। इस बीच मरीज के परिजनों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर उसके घर पर अस्पताल से निशुल्क एम्बुलेंस भेजी जाएगी। फुली इक्युप्ड क्रिटिकल केयर एम्बुलेंस में दक्ष स्टाफ मरीज का वहीं पर जरूरी जांच कर इलाज शुरू कर देगा। मरीज को खतरे से बाहर निकालने के साथ ही उसे सुरक्षित रूप से अस्पताल में लाया जाएगा। एम्बुलेंस में ही मरीज के अस्पताल में भर्ती करने अथवा उसके प्रोसीजर शुरू करने से संबंधित औपचारिकताएं पूरी कर ली जावेंगी। एम्बुलेंस में कार्यरत तकनीकी स्टाफ की सूचना पर जरूरी होने पर मरीज के अस्पताल पहुंचने से पहले ही कैथलैब शुरू कर दी जाएगी। मरीज के अस्पताल पहुचने के साथ ही बिना किसी विलम्ब के मरीज का इलाज शुरू किया जा सकेगा। इस तरह गोल्डन ऑवर का समुचित उपयोग कर मरीज की जान बचाने में मदद की जा सकेगी।

द तानसेन-राजस्थान संगीत उद्योग का उभरता सितारा

अमन जैन. शाबाश इंडिया।

जयपुर। नए सिंगिंग स्टार हिमांशु चड्ढा उर्फ द तानसेन की संगीत की मेहनत दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। भारतीय संगीतकारों की यह नई पीढ़ी अपनी अनोखी गायन शैली से दुनिया को अपने अनूठे गीतों पर थिरकने पर मजबूर कर रही हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर द तानसैन के नाम से मशहूर हिमांशु चड्ढा ने जादू कर देने वाले रैप और भावपूर्ण लिरिक्स से संगीत की दुनिया में सनसनी पैदा कर दी है। द तानसेन का कहना है कि सोंग के साथ लोक गीतों का कुछ अनोखा मिक्स करने वो संगीत की दुनिया के सामने कुछ अनोखा पेश करना चाहते हैं।आपको बता दें कि उन्होंने हाल ही में दो नए गीतों, "नारी" और "केजीएफ" को अपनी आवाज दी, जिससे वो संगीत समाज की लगातार विकसित संगीत की दुनिया में एक कदम आगे बढ़ गए हैं। साथ ही इन गानों की शूटिंग में जयपुर में पूरी की गई हैं ,जो YouTube पर धमाल मचा रहे हैं! अपने आगामी सिस्टम के बारे में, तानसेन अन्य राजस्थानी गायकों के साथ आगे भाग लेते हुए दिखाई देंगे। तानसेन का जन्म और पालन-पोषण "दौसा" राजस्थान, भारत में हुआ। वह अपने अनोखे गीतों के माध्यम से कहानियां कहने की कोशिश करते हैं। गाने लिखने से लेकर ओरिजिनल रैप गाने रिलीज करने तक, तानसेन के पास एक विशाल अनुभव रहा है। अब वह सिंगिंग के साथ एक्सपेरिमेंट करके अपने गानों में पॉप एलिमेंट जोड़ने पर काम कर रहे हैं। बता दे कि उन्होंने YouTube पर अपना पहला साउंडट्रैक "महादेवा" लॉन्च करके लोगों को अपनी अनोखी गायन शैली से परिचय करवाया था। कुछ दिनों के बाद उन्होंने Spotify, Google Play Music, Apple Music, iTunes, Amazon Music, JioSaavan और कई अन्य अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्मों जैसे Deezer, Tidal और Napster जैसे विभिन्न संगीत प्लेटफार्मों पर अपना संगीत जारी किया। इसके साथ ही आपको इंस्टाग्राम, फेसबुक लाइब्रेरी पर भी तानसेन संगीत देखने को मिलता है। आज की इस आधुनिक दुनिया मे, डिजिटल रूप से संचालित जीवन को देखते हुए, हमें ऐसे ही कलाकारों को अपना प्यार देकर उनका हौसला बढ़ाना चाहिए ताकि वो अपने काम के प्रति प्रेरित हो।

हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन 26 मार्च को

जयपुर. शाबाश इंडिया

अंतर राष्ट्रीय वैश्य महा सम्मेलन जयपुर सेंट्रल एवम लायंस क्लब जयपुर डायमंड द्वारा संयुक्त रूप से होली मिलन समारोह के उपलक्ष्य में हास्य व्यंग कवि सम्मेलन 26 मार्च को सांय 5 बजे से उत्सव,विद्याधर नगर में आयोजित किया जाएगा। समारोह के मुख्य प्रायोजक मणिपाल हॉस्पिटल है। अंतर राष्ट्रीय वैश्य महा सम्मेलन के अध्यक्ष रोटेरियन सुधीर जैन गोधा ने बताया कि सम्मेलन की अध्यक्षता समाज सेवी नरेश मेहता करेंगे व विशिष्ठ अतिथि अंतर राष्ट्रीय अध्यक्ष, आईवीएफ अशोक अग्रवाल, एमएलए, मालवीय नगर काली चरण सर्राफ,एमएलए सांगानेर अशोक लाहोटी, उप महापौर,ग्रेटर नगर निगम पुनीत कर्णावत, पूर्व महापौर मोहन लाल गुप्ता, सीताराम मंगला,मंगला सरिया,डायरेक्टर मणिपाल हॉस्पिटल रंजन ठाकुर होंगे। सम्मानीय अतिथि आरवीएफ राजस्थान प्रभारी,ध्रुव दास अग्रवाल, आरवीएफ अध्यक्ष एनके गुप्ता,महा सचिव गोपाल गुप्ता,महिला विंग अध्यक्ष ज्योति खंडेलवाल,युवा विंग अध्यक्ष जेडी महेश्वरी होंगे। महासचिव संजय पाबूवाल व मुख्य समन्वयक शरद काबरा ने बताया कि सम्मेलन में देश के प्रख्यात कवि अरुण जैमिनी, विष्णु सक्सेना, विनीत चौहान, सर्वेश अस्थाना,अजय अंजाम व कवियत्री श्वेता सिंह,योगिता अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर देंगे। लायंस क्लब जयपुर डायमंड के अध्यक्ष शंकर सिंह खंगारोत ने बताया कि क्लब के चार्टर डे के 20 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सम्मेलन से पूर्व चार्टर सदस्यों का सम्मान किया जाएगा। सम्मेलन के विशेष समन्वयक अनुराग दीक्षित,मणिपाल हॉस्पिटल व समन्व्यक लायन अशोक जिंदल,लायन नवीन सारस्वत,लायन एस भटनागर,लायन रघुवीर सिंह शेखावत,संजीव घीया रोटेरियन विनीत जैन,कैलाश अग्रवाल, रमेश खंडेलवाल होंगे।

युवा परिषद् मानसरोवर द्वारा भक्तामर पाठ का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारत वर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद मानसरोवर संभाग द्वारा भक्तामर दीप अर्चना का आयोजन आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर मीरा मार्ग मानसरोवर जयपुर मे रखा गया। यह जानकारी देते हुए अध्यक्ष अशोक जैन बिंदायका ने बताया कि भक्तामर पाठ के पुण्यार्जक पारस -कामिनी, निखिल ,हर्ष और बोहरा परिवार दूदू वाले रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुनीत कर्णावट उप महापौर जयपुर नगर निगम थे। परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदय भान, परिषद के परम शिरोमणि सरक्षक डा राजीव जैन, एमडी सरस सीकर डेयरी, व परम शिरोमणि संरक्षक सतीश कासलीवाल, शेखर सोगानी, श्रीमती रानी पाटनी रवि दीवान, मोना दीवान, मुकेश जैन विनीत जैन, मनोज जैन, मंजू जैन, अंजू जैन,लोकेश जैन, आदि सदस्य कार्यक्रम मे शामिल थे। अंत मे पारस बोहरा महामंत्री ने सबका धन्यवाद ज्ञापित किया।

होली स्नेह मिलन पर 3 महिलाओं ने देह दान करने का लिया संकल्प

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

सबकी सेवा सबको प्यार जीवों और जीने दो के उद्देश्य से चलने वाली संस्था महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी की प्रेरणा से श्रीमती अमराव देवी धर्मपत्नी स्व. श्री गोरधनलालजी जैन (काला) (92 वर्ष), श्रीमती सुनितादेवी जैन स्व. श्री मुकेशकुमार जी जैन (गंगवाल) (58 वर्ष) श्रीमती राजकुमारी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री विमलजी जैन (काला) (53) ने कुचामन शहर में प्रथम बार मरणोपरांत देहदान करने का संकल्प लिया। होली स्नेह मिलन के अवसर पर तीनों देहदान करने वालों का माला साफा से स्वागत किया इसी कड़ी में बार एशोसियन के अध्यक्ष बनने पर वीर रतन प्रधान का माला साफा से स्वागत किया गया। संस्था के जोन कोषाध्यक्ष वीर सुभाष पहाड़िया के गर्विनंग सदस्य बनने पर माला साफा से स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में संस्था के जोन कोषाध्यक्ष सुभाष पहाड़िया, बार एशोसियन के अध्यक्ष वीर रतन प्रधान, अध्यक्ष वीर कैलाशचन्द जैन, वीरा अध्यक्षा सरोज जैन, यूथ अध्यक्ष आनन्द जैन मंचासीन रहे। संस्था के सेवा कार्यों से प्रेरित होकर युवा ग्रुप में 4 नये सदस्यों ने सदस्यता के लिए स्वीकृति प्रदान की शुभम जैन (पहाड़िया), नीरज जैन (काला), अर्पित जैन (पहाड़िया), राहुल जैन (झांझरी) नये सदस्यों को मंचासीनो स्वागत किया। वीर रतन मेघवाल व सम्पत बगडीया ने अपने अपने संबोधन में सदस्यों से सभी लोगों को देहदान व नेत्रदान के लिए प्रोत्साहित करने का आहवान किया। इस अवसर पर महावीर इन्टरनेशनल वीर, वीरा, युथ के सभी सदस्य उपस्थित रहे। मंच संचालन डिम्पल जैन (काला) ने किया।

वेद ज्ञान

ईश्वर को देखा नहीं जा सकता

भौतिक विज्ञानवादी जिस शक्ति को प्रकृति मानते हैं, उसे अध्यात्मवादी ईश्वर कहते हैं। मतभेद ईश्वर के गुण, कर्म और स्वभाव के संबंध में है। ऐसे मतभेद तो प्रायः सभी समूहों में मिल जाते हैं, परंतु उन्हें अनीश्वरवादी नहीं कहा जाता। फिर भौतिक विज्ञानवादियों को नास्तिक कहना उचित न होगा। ईश्वर को हम इंद्रियों से अनुभव नहीं कर सकते तो भी यह कहना अनुचित होगा कि ईश्वर नहीं है। बहुत सी वस्तुओं को हम प्रत्यक्ष अनुभव नहीं करते तो भी अनुमान के आधार पर उनका अस्तित्व स्वीकार करना पड़ता है। यह बात हम इंद्रियों की सहायता से नहीं जान सकते, आंखों से भी नहीं देख सकते तो भी अनुमान यह कहता है कि उसको बनाने वाला अवश्य रहा होगा। ईश्वर को छुआ या देखा नहीं जाता तो भी उसकी कृतियां पुकार-पुकार कर साक्ष्य दे रही हैं कि हमारा रचयिता कोई न कोई अवश्य है। अपने स्वल्प ज्ञान के द्वारा बुद्धि और इंद्रियों की सहायता से हमें विश्व ब्रह्मांड का थोड़ा-बहुत परिचय प्राप्त होता है। समस्त सृष्टि इतनी विस्तीर्ण है कि बुद्धि की वहां तक पहुंच नहीं हो पाती। यह महान रचना किसी न किसी निर्माता की कृति है। बिना व्यवस्था के तो हमारे छोटे-छोटे काम भी नहीं चलते, फिर इतनी बड़ी सृष्टि का काम बिना किसी संचालन के किस प्रकार चल सकता है। सूर्य, चंद्र, पृथ्वी, ग्रह, नक्षत्र, इतने नियमबद्ध हैं कि कभी एक सेकेंड का भी फर्क नहीं पड़ता। दिन के बाद रात होने की श्रृंखला कभी टूट नहीं पाती। बचपन के बाद जवानी, फिर वृद्धावस्था आती है। उन मूल नियमों के समझने वाले तत्वज्ञानी विवेकवानों को समस्त सृष्टि में एक रंचमात्र भी अव्यवस्था दृष्टिगोचर नहीं होती। स्पष्ट है कि इस सुव्यवस्थापूर्वक संचालित सृष्टि को चलाने वाला कोई अवश्य होना चाहिए। मोटर, जहाज या रेल को बनाने वाला और चलाने वाला कोई विवेकवान मनुष्य होता है। उसी प्रकार इस सृष्टि को बनाने और चलाने वाली शक्ति भी ईश्वर है। आज विज्ञानवादियों को यह मानना पड़ रहा है कि जड़ तत्व ही सृष्टिकर्ता नहीं है वरन यह पंचभूत भी एक आद्यशक्ति की धाराएं हैं। वह आद्यशक्ति अंधी, जड़ नहीं, बल्कि विवेकवान, फलवान, व्यवस्था रखने वाली, संशोधन करने वाली और संतुलन को ठीक बनाए रखने वाली भी है।

संपादकीय

जिंदगी के अंतिम पड़ाव पर अपनों से परेशान बुजुर्ग

कई बार देखभाल और संवेदना के अभाव से उपजी निराशा और पीड़ा बुजुर्गों को असमय ही कई मनोवैज्ञानिक समस्याओं के दुश्चक्र में डाल देती है। आमतौर पर लगभग सभी समाजों में बुजुर्गों के जीवन को आसान बनाने और उनका खयाल रखने के लिए सरकारों को विशेष योजनाएं बनानी पड़ती हैं, परिवारों में अलग से उपाय किए जाते हैं। लेकिन यह भी सच है कि वृद्धावस्था में पहुंचे बहुत सारे लोगों को कई बार अपनों के हाथों भी उपेक्षा का शिकार होना पड़ता है। ऐसे में उस स्थिति का अंदाजा ही लगाया जा सकता है, जिसमें बहुस्तरीय मुश्किलों से जूझते बुजुर्ग स्मृतिलोप या मतिभ्रम का भी शिकार हो जाएं। सामान्य वृद्धावस्था को भी बोझ की तरह देखने वाले परिवार इस समस्या से घिर जाने वाले अपने ही बुजुर्ग सदस्य के प्रति अक्सर पर्याप्त संवेदनशीलता नहीं बरत पाते। जबकि परिवार या व्यक्ति का सकारात्मक और संवेदनशील रवैया स्मृतिलोप की मुश्किल से घिरे किसी वृद्ध व्यक्ति के भीतर जीवन का संचार कर दे सकता है। मगर व्यवहार के स्तर पर संवेदनशीलता या फिर प्रशिक्षण के अभाव की व्यापक सामाजिक समस्या की वजह से बुजुर्गों का जीवन अपने आखिरी दौर में और ज्यादा मुश्किल हो जाता है। गौरतलब है कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान सहित दुनिया भर के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की ओर से किए गए एक शोध में यह बताया गया है कि आने वाले वक्त में भारत में साठ साल या उससे ज्यादा के एक करोड़ से भी अधिक लोगों के डिमेंशिया यानी स्मृतिलोप की चपेट में आने की आशंका है। जर्मन नेचर पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी कलेक्शन में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक सन 2050 तक भारत की कुल आबादी में साठ साल से ज्यादा उम्र वालों की तादाद करीब उन्नीस फीसद होगी। अगर एक करोड़ से ज्यादा बुजुर्ग स्मृतिलोप जैसी समस्या के शिकार हो जाएं, तो व्यापक पैमाने पर उनका सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन किस तरह की त्रासदी का शिकार होगा, इसका सिर्फ अंदाजा ही लगाया जा सकता है। हालांकि भारत में पहली बार हुए इस तरह के अध्ययन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का का इस्तेमाल किया गया। यों आधुनिक तकनीकी की क्षमता में लगातार बढ़ोतरी के दौर में कृत्रिम मेधा या बुद्धिमत्ता के आकलन को विश्वसनीय माना जाता है, मगर यह स्पष्ट होना अभी बाकी है कि क्या इसके जरिए मनुष्य के विवेक और बौद्धिकता के मुकाबले ज्यादा विश्लेषणपरक नतीजे हासिल किए जा सकते हैं ! दरअसल, स्मृतिलोप से ग्रस्त बुजुर्गों के भीतर किसी चीज या बात के बारे में भूलने की समस्या पैदा हो जाती है। इससे गंभीर रूप से परेशान वृद्ध के लिए सामने खड़े व्यक्ति को पहचान पाना भी मुश्किल हो जाता है। लेकिन जिन परिवारों में बुजुर्गों के प्रति पर्याप्त सम्मान, प्यार और संवेदनशीलता बरत पाने वाले लोग होते हैं, उनमें ज्यादा उम्र की अशक्तता के बावजूद किसी वृद्ध व्यक्ति की शारीरिक और मानसिक सेहत बेहतर रहती है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

अपराध और वर्चस्व

राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल को दिनदहाड़े गोली मारने वाले आरोपियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया। प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकांड से जुड़े एक और आरोपी के मारे जाने के बाद एक बार फिर सियासी बयानबाजियां शुरू हो गई हैं। इस हत्याकांड से जुड़ा यह दूसरा आरोपी था, जो पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया। किसी भी सभ्य समाज में अपराधियों की कोई जगह नहीं होनी चाहिए और इसे सुनिश्चित करना हर कल्याणकारी सरकार का दायित्व है। इस लिहाज से उत्तर प्रदेश पुलिस ने निश्चित रूप से तत्परता दिखाई और राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल को दिनदहाड़े गोली मारने वाले आरोपियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया। उसी कोशिश में वे दोनों मारे भी गए। चूंकि राजू पाल और उमेश पाल की हत्या के पीछे वजह राजनीतिक रंजिश बताई जाती है, इसलिए भी इन मुठभेड़ों को राजनीतिक रंग देने में आसानी हो गई है। मगर सवाल है कि जिस तरह उत्तर प्रदेश में अपराधियों ने आम लोगों को दहशत में जीने पर मजबूर किया है, उसमें उन्हें राजनीतिक संरक्षण में क्यों फलने-फूलने दिया जाना चाहिए। छिपी बात नहीं है कि आपराधिक प्रवृत्ति के बहुत सारे लोग कानूनी संरक्षण पाने के मकसद से किसी न किसी राजनीतिक दल का दामन थाम लेते और फिर न सिर्फ निर्भय होकर घूमते, बल्कि और दहशत फैलाना शुरू कर देते हैं। अच्छी बात है कि उत्तर प्रदेश पुलिस ऐसे लोगों के दहशत को खत्म करने का प्रयास कर रही है। छिपी बात नहीं है कि राजू पाल की हत्या इसलिए करा दी गई थी कि उन्होंने बाहुबली नेता अतीक अहमद को चुनौती दी और उनके निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव जीत गए थे। राजू पाल के परिजनों ने प्राथमिकी में स्पष्ट आरोप लगाया था कि अतीक अहमद ने ही राजू पाल की हत्या कराई। उस घटना के इकलौते गवाह उमेश पाल थे। उनकी हत्या में भी अतीक अहमद के लोगों का ही हाथ बताया गया। जो भी अपराध की दुनिया से थोड़ा-बहुत परिचित हैं, वे अतीक अहमद की दबंगई से अच्छी तरह वाकिफ हैं। मगर अतीक अपने राजनीतिक रसूख की वजह से कानून की पकड़ से बचे रहे। अब उत्तर प्रदेश सरकार ने राजनीतिक संरक्षण में रहते हुए कानून के चंगुल से बचते आ रहे ऐसे तमाम आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के खिलाफ शिकंजा कसना शुरू किया है, तो आम लोगों ने स्वाभाविक ही राहत की सांस ली है। मगर सत्तापक्ष के राजनीतिक विरोधियों को यह कड़ाई रास नहीं आ रही और ऐसी कार्रवाइयों के खिलाफ कोई न कोई तर्क जुटाने का प्रयास करते देखे जाते हैं। यह ठीक है कि पुलिस को किसी अपराधी को जान से मारने का अधिकार नहीं है, उसकी कुशलता इस बात में मानी जाती है कि वह अपराधी को पकड़ कर अदालत के सामने पेश करे। मगर जब कोई अपराधी पुलिस पर गोलियां दागनी शुरू कर दे, तो बचाव में पुलिस को भी गोलियां चलानी ही पड़ती हैं। उमेश पाल हत्याकांड में आरोपियों पर शिकंजा कसने के दौरान भी यही हुआ। इससे अपराधियों में यह संदेश बहुत कड़े ढंग से गया है कि ऐसी किसी भी हरकत को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। निश्चित रूप से इससे आम लोगों का भी पुलिस के अपराधियों पर नकेल कसने की प्रतिबद्धता को लेकर भरोसा बढ़ा है। उत्तर प्रदेश सरकार शुरू से राज्य में अपराध मिटाने को लेकर संकल्पबद्ध है।

जैन सोशल ग्रुप, अजमेर के एक्जेक्यूटिव कोर ग्रुप सदस्यों द्वारा होली मिलन कार्यक्रम मनाया

शैलेंद्र बड़जात्या द्वारा बताया गया कि कवि सम्मेलन को आगामी 26 मार्च को जोर शोर से किया जाए, शहर में जगह - जगह होर्डिंग लगाए जाएं जिसमें करीब 2000 लोगों की व्यवस्था करी जाए

अजमेर. शाबाश इंडिया। अध्यक्ष रूपश्री जैन के तत्वावधान में द आर्चीस कैसल में जैन सोशल ग्रुप के प्रबंध कार्यकारिणी का होली स्नेह मिलन रखा गया, जिसमें सभी सदस्यों सर्वप्रथम णमोकार बोल कर कार्यक्रम शुरू किया गया तत्पश्चात सभी ने डांस - मस्ती, पुराने फिल्मी गानों, जिसमें पल - पल दिल के पास कोई रहता हे, चांदी जैसा रंग तेरा, एक तु ही धनवान है गोरी, कभी अलविदा न कहना, चलते- चलते...... इत्यादि नगमों से सराबोर माहौल में होली की मस्तिया करी। होटल के हेलिकॉप्टर, मर्सिडीज, बस इत्यादि के साथ स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ लिया। तत्पश्चात प्रत्येक सदस्य को साफा माला दुपट्टा पहना, होली का रंग लगा कर प्रबन्ध कार्यकारिणी के सदस्यों को टाइटल से नवाजा गया, वो इस -

नाम	टाइटल
रूपश्री जैन (अध्यक्ष)	शांति की खोज
मनोज जैन	प्रबंधन अपने हाथ में
प्रदीप पाटनी (उपाध्यक्ष)	गुरु कृपा
सरस्वती पाटनी	सुखी जीवन का आधार धर्म पथ
सुनील दोशी (सचिव)	नया दायित्व
प्रमिला	दुल्हन वही जो पिया मन भाये
नरेश गंगवाल (सह सचिव)	गुमशुदा
वीनू गंगवाल क्रिएटीव	
अशोक गदिया (कोषाध्यक्ष)	हिसाब का पारखी
अरुणा गदिया	व्यवहार कुशल
विनय गदिया	सेवा भावी
बीना गदिया	वाणी मे सहज मधुरता
सुभाष बड़जात्या	जागत है तो पावत है
नीरू बड़जात्या	कैसे सोचें (टैक्स के बारे में)
प्रमोद सोगानी	सेवा में मेवा
अनिता सोगानी	नो टेंसन

अंत में अध्यक्ष रूपश्री जैन ने अपने कार्यकाल में एक वृहत कवि सम्मेलन करने का प्रस्ताव रखा, जिसे दिनांक 25 या 26 मार्च कवियों की उपलब्धता के आधार पर तय किये जायेगा, इसे जैन छतरी मंदिर में करने की आम सहमति बनी। जिसके संयोजक उपाध्यक्ष प्रदीप पाटनी व मनोज जैन (मोडासिया) रहेंगे। सभी सदस्य गण ने एक राय से ग्रुप को ऊंचाइयां प्रदान करने के दृष्टिकोण से जोश खरोश से अपनी भागीदारी निभाने की बात कही। मीटिंग के दौरान ही कई सदस्यों ने जिनमें मुख्यतः प्रदीप पाटनी, मनोज मोडासिया, संजय सोनी, प्रमोद सोगानी, अशोक गदिया एंव विनय गदिया ने अपना आर्थिक सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। तत्पश्चात ग्रुप के नये सदस्य मुकेश सेठी ने भी आर्थिक सहयोग प्रदान कर, कवि सम्मेलन के सह प्रायोजक बनने का सौभग्य प्राप्त किया और भी सदस्यों के द्वारा हा भरी है, जिनके नाम बाद मे प्रकाशित किया जायेंगे। शैलेंद्र बड़जात्या द्वारा बताया गया कि कवि सम्मेलन को आगामी 26 मार्च को जोर शोर से किया जाए, शहर में जगह - जगह होर्डिंग लगाए जाएं जिसमें करीब 2000 लोगों की व्यवस्था करी जाए, जिससे ग्रुप का नाम हो। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष प्रमोद सोगानी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया व अच्छे कार्यक्रम की सराहना करते हुए मेनेजमेंट टीम के रूपश्री जैन, प्रदीप पाटनी, मनोज जैन का धन्यवाद ज्ञापित किया। इसी कवि सम्मेलन में मुख्य प्रायोजक - एच एस मेहता (डबल 'ए' क्लास कंट्रैक्टर), सह प्रायोजक वेद स्टोनेक्स, बी एल एस ग्रुप, आराधना टेंट व अन्य ने हाथों हाथ अपनी सहभागिता निभाने की जिम्मेदारी ली है ।

एनसीईआरटी की राष्ट्रीय कार्यशाला में राजेन्द्र महावीर जैन ने किया मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व

परीक्षा प्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन हेतु अजमेर में हुई कार्यशाला

सनावद. शाबाश इंडिया

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद एनसीईआरटी भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत 'माध्यमिक स्तर पर आकलन की पद्धतियों में आमूल-चूल परिवर्तन' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान अजमेर राजस्थान में सम्पन्न हुआ। भारत वर्ष से उत्तर भारत के बारह राज्य शिक्षा मण्डल, परीक्षा बोर्ड के 61 प्रदेश प्रतिनिधियों ने भाग लेकर परीक्षा प्रणाली, प्रश्न-पत्र निर्माण पर गहन विचार, चिंतन-मनन, विश्लेषण,संश्लेषण किया।

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल की ओर से सामाजिक विज्ञान विषय के विशेषज्ञ व मध्यप्रदेश के प्रतिनिधि रूप में राजेन्द्र जैन 'महावीर' सम्मिलित हुए। त्रि-दिवसीय कार्यशाला में श्री जैन ने समूह चर्चा, उच्च विचारणीय प्रश्नों व वर्तमान परीक्षा प्रणाली व प्रश्न-पत्रों में उच्च विचार प्रश्नों पत्रों पर समीक्षा प्रस्तुत की। एनसीईआरटी नई दिल्ली के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. सुखविंदर, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान अजमेर के प्राचार्य प्रो एस व्ही शर्मा, विभागाध्यक्ष डॉ आनंद आर्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भुवनेश्वर के प्राचार्य डॉ अरविंद अग्रवाल ने उन्हें प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। मध्यप्रदेश की ओर से विज्ञान के आशीष आर्य (अशोक नगर) गणित के डॉ. प्रभाकर द्विवेदी (रीवा), अंग्रेजी की गरिमा बत्रा (छिन्दवाड़ा) हिन्दी के डॉ. नरेन्द्र उरमलिया (जबलपुर) ने सहभागिता की कार्यशाला में गोवा, गुजरात, हरियाणा हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश उत्तराखण्ड, छत्तीसगढ़ के 61 प्रदेश प्रतिनिधियों ने होकर गहन विचार-विमर्श किया।

परीक्षा प्रणाली में होगा आमूल-चूल परिवर्तन: जैन

राष्ट्रीय कार्यशाला से लौटकर सामाजिक विज्ञान विषय विशेषज्ञ राजेन्द्र जैन ने बताया कि वर्तमान शिक्षण प्रणाली विद्यार्थियों को रटन विद्या सिखाती है ,माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थी किसी विषय पर चिंतन, रचनात्मक विचार प्रस्तुत नहीं कर पाते है जो अत्यन्त विचारणीय है, इस हेतु 21 वीं सदी के कौशल पर आधारित शिक्षण व परीक्षा प्रणाली आवश्यक है, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में इस तरह के प्रावधान किये गए हैं जिससे विद्यार्थी का समग्र विकास हो सके, जैन ने कार्यशाला को अत्यंत उपयोगी व सार्थक प्रयास बताया व विभिन्न प्रदेशों की परीक्षा प्रणाली को समझने में उल्लेखनीय प्रयास बताया।

जैन इन्जिनियर्स सोसायटी जयपुर साउथ चैप्टर चुनाव वर्ष (2023-25)

जयपुर. शाबाश इंडिया

16 फरवरी 2023 के नोटिफिकेशन के अनुसार 28.02.2023 तक नामांकन पत्र भरकर प्राप्त हुये। जांच के बाद वैध उम्मीदवार की सूची जारी कर दी गयी थी, दिनांक 03 मार्च 2023 सायंकाल 5.00 बजे किसी भी उम्मीदवार ने अपना नाम वापस लेने का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत नही किया। इस प्रकार निम्नलिखित सदस्यों का चुनाव निर्विरोध घोषित करता हूँ कि:-

क्र.स.	नाम	पद
1	श्री दीपक कुमार जैन	अध्यक्ष
2	श्री अरूण कुमार जैन	उपाध्यक्ष (I)
3	श्री राकेश कुमार बगडा	उपाध्यक्ष (II)
4	श्री प्रदीप कुमार जैन	मंत्री
5	श्री बुद्दी प्रकाश जैन	संयुक्त मंत्री
6	श्री रमेश चंद गंगवाल	कोषाध्यक्ष

कार्यकारिणी सदस्य

1. श्री गजेन्द्र कुमार बगडा
2. श्री विजेन्द्र कुमार जैन
3. श्री रवि मेहता
4. श्री देवेन्द्र मोहन जैन
5. श्री मानीक चंद जैन
6. श्री सी.आर. गोघा
7. श्री राजमल जैन

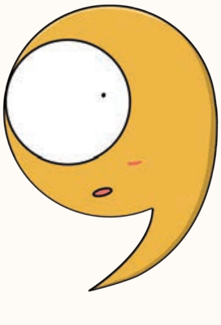

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन

निज स्वार्थ से ऊपर उठकर सोचना होगा

कुछ लोग मोम की तरह पिघलकर रिश्ते निभाते हैं,
और कुछ लोग अपने स्वार्थ के कारण रिश्तों को आग लगाकर जलाते हैं...!

शायद ही कोई इन्सान होगा इस संसार में, जो बिना स्वार्थ के घर, परिवार, समाज में जी रहा हो। जो स्वार्थ से ऊपर उठकर जीवन जीते हैं,, वो मानव के रूप में महामानव हो जाते हैं। संप्रति संसार में आज स्वार्थ का ही बोल बाला है। आम आदमी की बात तो दूर, अब तो साधु सन्त भी देखते हैं कि कोन कितना करेन्ट वाला आदमी है (करेन्ट का मतलब गरीब अमीर है)। सबके अपने अपने स्वार्थ है - आम आदमी का स्वार्थ रोटी, कपड़ा और मकान का है,, तो साधु सन्तों का स्वार्थ नाम, पहचान, ख्याति, तीर्थ, मठ, ग्रन्थ छपवाने का हो सकता है। स्वार्थ का मतलब है - अपना काम बनता ------ और........।
मुख में राम, बगल में छुरी। रघुपति राघव राजाराम, जैसा मोका वैसा काम।
आदर्श मानव से महामानव बनने के लिए हमें निज स्वार्थ से ऊपर उठकर सोचना होगा। निजी स्वार्थ को साधने से पहले, स्वयं को दूसरों के स्थान पर रखकर देखने से,, हमारे जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन आ सकता है। इसलिए हम स्वार्थ की भावना का परित्याग करके महामानव बनने की ओर उन्मुख हो सकते हैं। परन्तु आज के संसार में, स्वार्थ का त्याग करना ऐसा ही है जैसे झमाझम बरसात में छत पर कपड़े सुखाना...!!!
संकलन : नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ब्लड डोनर रामलक्ष्मण मीणा नर्सिंग ऑफिसर को ग्लोबल ह्यूमैनिटी चेंजमेकर अवार्ड सेरेमनी 2023 से किया सम्मानित

बीकानेर. शाबाश इंडिया। राष्ट्रहित फाउंडेशन ट्रस्ट और परहित सेवा समिति ट्रस्ट और कम्युनिटी वेलफेयर सोसायटी बीकानेर ने दो दिवसीय 11 और 12 मार्च को राष्ट्रहित सर्वोपरि को ध्यान में रखते हुए प्रथम नेशनल कॉन्फ्रेंस एंड वर्कशॉप ओन ह्यूमैनिटी रिवॉल्यूशन का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि सम्भागीय आयुक्त बीकानेर डॉ. नीरज के.पवन व विशिष्ट अतिथि रिटायर्ड कर्नल हेमसिंह व कारगिल योद्धा श्रीमान मैजर दीपचन्द रहे इस अवसर पर ब्लड डोनर नर्सिंग ऑफिसर रामलक्ष्मण मीणा बूंदी को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ग्लोबल ह्यूमैनिटी चेंजमेकर अवार्ड सेरेमनी 2023 से सम्मानित किया गया। इस आयोजन में 200 देशों व भारत के सभी 780 जिलो के सामाजिक कार्यकर्ताओ को बीकानेर में आयोजित प्रोग्राम में आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम में भारत देश के अलावा कोरिया,भूटान, यूएई, कुवैत, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, श्रीलंका, कनाडा, बरमुंडा, इराक, ईरान, सऊदी अरब, म्यामार, जापान सहित कई देशों के सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस आयोजन में मानवता को बचाने के लिए रक्तदान,पर्यावरण सुरक्षा,रोड सेफ्टी,विदेशों में फंसे लोगों की मदद,जल संरक्षण,भूमि संरक्षण,वन संरक्षण,चिकित्सा सेवा,ऑर्गन डोनेशन, असहाय लोगों की मदद करना, जीव जन्तुओ को बचाना, खाद्य पदार्थों का सही उपयोग करना, अनुपयोगी केमिकल्स को दुर रखना,धुम्रपान नशा मुक्ति, तम्बाकू, शराब बन्दी आदि चीजों पर तर्क वितर्क करके मानवता को बचाने के लिए अनेक अतिथियों व देश विदेश के सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा मानवता को बचाने के लिए अपने मत प्रस्तुत किये। इस कार्यक्रम को मोटिवेट एक्स आर्मी मेवासिंह नर्सिंग ऑफिसर एक्सक्लूसिव वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर ने किया साथ में इस प्रोग्राम को करने के लिए श्रीमती रूपाली सिंघाई, श्रीमती सुचित्रा अहिरे, परंजुमोनिदास, श्रीमती साक्षी मूंदड़ा,क्रिष्णा कुमार, कन्हैयालाल भाटी व अन्य के कार्यकर्ताओं ने इस प्रोग्राम में अपनी भूमिका निभाकर आयोजन को सफल बनाया है।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर एवं
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के तत्वावधान में
मुख्य प्रायोजक R K GROUP WONDER CEMENT
सह प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd.
सह प्रायोजक समाचार जगत
श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद द्वारा
रक्तदान जीवन दान
रक्तदान शिविर
GIVE BLOOD GIVE LIFE
प्रात : 09 से 1 बजे तक
मंगलवार, 14 मार्च 2023
स्थान - श्री महावीर कॉलेज, सी-स्कीम, जयपुर
क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।
उमराव मल संघी अध्यक्ष
सुनील बख्शी मानद् मंत्री
महेश काला कोषाध्यक्ष
सीए प्रमोद पाटनी संयोजक
डॉ. आशीष गुप्ता प्राचार्य
डॉ. मिनल शर्मा शिविर संयोजक
डॉ. नेहा गंगवाल शिविर सयोजंक

फागोत्सव का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

अग्रवाल समाज सेवा समिति जगतपुरा, जयपुर की महिला मण्डल द्वारा जगतपुरा स्थित गौरांग पैराडाइज में फागोत्सव का आयोजन रविवार दिनांक 12 मार्च, 2023 को किया गया। कार्यक्रम संयोजक श्रीमती शैफाली जैन ने बताया फागोत्सव रंगो व उत्साह भरा त्यौहार होता है और इसे आगे भी आयोजित किया जाता रहेगा। कार्यक्रम में विधी अग्रवाल, रिना गर्ग, वैशाली गोयल, अनीता फतेहपुरिया, विनीता अग्रवाल, ज्योति गोयल, निलम सेकडा और नमृता शाह सहित करीब 100 से ज्यादा अग्रवाल महिलायें शामिल थी ।

प्रदेश के सभी जिलों में महिला जागरूकता रैली एवं खेलकूद गतिविधियों का किया गया आयोजन

जयपुर. कासं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के अवसर पर 8 मार्च से 14 मार्च तक एक सप्ताह के कार्यक्रमों की श्रंखला में छटें दिन सोमवार को महिला अधिकारिता आयुक्तालय द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में महिला जागरूकता रैली एवं खेलकूद गतिविधियो का आयोजन किया गया। रैली में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न केंद्रों यथा सखी वन स्टॉप सेंटर ,महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र से संबंधित परामर्शदाता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, साथिन एवं राजीविका की महिलाओं ने भाग लिया। महिला सुरक्षा एवं संरक्षण संबंधी जानकारियां दी गई।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

कचरा प्रबंधन:- "निभायें अच्छे नागरिक का फर्ज"

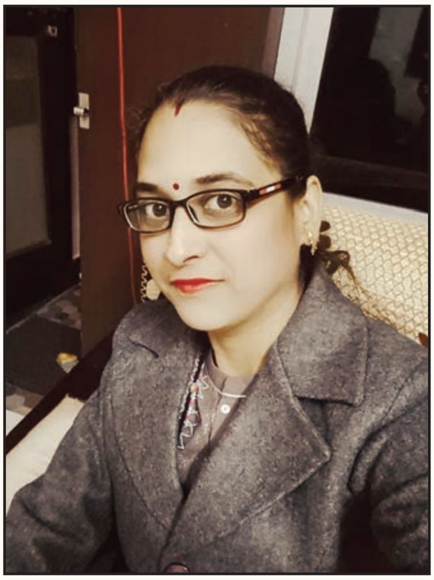

भारत में सबसे बड़ी समस्या का कारण यदि कुछ है तो वह है कचरा प्रबंधन। विदेशों में तो साफ सफाई का एक अच्छा उदाहरण प्रस्तुत किया जाता है लेकिन यदि बात हमारे देश की आती है तो मैनेजमेंट स्तर पर पर्याप्त काम नहीं हो पाता है यदि आप अपने घर से शुरूआत करें कचरा कम फैलायें उसे अलग अलग करें और कंपोस्टिंग का मेथड सीखें तो एक अच्छे नागरिक होने का फर्ज आप भी निभा सकते हैं। कुछ साल पहले स्टेशनों पर प्लास्टिक बैग्स, बोतलों और चिप्स के पैकेट का कचरा फैलाने वाले पर्यटकों के सामने कुछ युवाओं ने ऐसा उदाहरण पेश कर दिया था कि वहाँ मौजूद तमाम लोगों को सबक मिल गया। युवाओं ने सबके सामने कूड़ा एकत्र किया और एक बड़े थैले में भरकर ले गए। पूरे देश में यदि साफ सफाई की मुहिम चल रही है तो हर एक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने घर और आसपास की भी सफाई का ध्यान रखें और अपने स्तर पर पहल करें अपनी आदतों को सुधारने का प्रयास करें। यदि देश में स्मार्ट सिटी बनाने का सोच रहे है तो क्या आप अपना यह सपना पूरा करने में सक्षम है? क्या आप एक अच्छे नागरिक बन सकते हैं? सार्वजनिक स्थलों, ऑफिस, कैंटीन, गमलों में पान थूकना, मसालों के रैपर्स इधर-उधर फेंकना, घर का कूड़ा सड़क पर डाल देना, छत, बालकनी या सीढ़ियों की सफाई करके गंदगी को यहाँ वहाँ बिखेर देना, अपने घर के आस-पास का कचरा दूसरों के घर के आगे डाल देना यह नागरिक का धर्म नहीं होता है यदि आप अपने देश से प्यार करते हैं तो आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखना भी आप का प्रथम कर्तव्य बनता है। यदि कोई समस्या बढ़ी है तो उसे और आप बड़ा ना बनाएं। कचरा प्रबंधन के लिए कई सरकारी व गैर सरकारी संस्थाएं आगे आई है यदि प्लास्टिक के कोई समान फेंके जा रहे हैं तो इस समस्या को सुधारें यह देश की समस्या बन रही है कि शहरों और महानगरों में सबसे अधिक कूड़ा कर्कट पाया जाता है इसलिए बेस्ट मैनेजमेंट यहाँ की बड़ी समस्या है। यदि राजधानी की हम बात करें तो दिल्ली के कई इलाकों में कचरें का पूरा पहाड़ मिलेगा पर यहाँ से गुजरना किसी त्रासदी से कम नहीं होता। कोई भी वैकल्पिक व्यवस्था ना होने के कारण देश की स्थिति सोचनीय होती जा रही है। आप अपने घर में ही देखें आप ना जाने कितना सामान खरीदते हैं और कितना कूड़ा कचरा आप अपने घर में जमा करते हैं प्लास्टिक के कई ऐसे समान होते हैं जो स्टोर में तब्दील हो रहे हैं। एक व्यक्ति आधा किलो कचरा फैलाता है इस प्रकार हर एक नागरिक यदि इस तरह की गंदी हरकतें करते हैं तो ना जाने देश में कितना कचरा आपको नजर आएगा! इस समस्या को हर बार नगर निगम पर नहीं छोड़ा जा सकता है यदि आप अपने स्तर का भी प्रयास करेंगे तो सभी को मदद भी मिलेगी। सारी कॉलोनी का कचरा उठाने के लिए सरकारी कर्मचारी अपने कचरा गाड़ी लेकर आते हैं जिसमें सूखा और गीला कचरा डालने के अलग-अलग तरीके होते हैं हमें उसमें कचरा डालकर अपने आसपास के वातावरण को सुरक्षित और साफ बना सकते हैं। यह सारा कचरा इकट्ठा करके खाद को बनाया जाता है जिसका उपयोग पेड़ पौधों के लिए हो सकता है। गीले कूड़े को घर में कंपोस्ट कर सकते हैं क्योंकि ऐसे कूड़े से बदबू फैलती है और बीमारियां पैदा होती है। गीले कूड़े को कंपोस्ट कर के पौधों को हरा भरा बनाने के लिए काम में लाया जा सकता है। इलेक्ट्रॉनिक सामान भी सबसे बड़ी समस्या होते हैं बेकार घड़ियाँ, मोबाइल, कंप्यूटर, लैपटॉप या बैटरी आदि को डस्टबिन में ना डालें क्योंकि इनसे एसिड और भयानक गैस निकलती है जो पर्यावरण के लिए हानिकारक होती है और कूड़ा बिनने वालों की जिंदगी के पर भी इसका प्रभाव पड़ता है। हर शहर में कुछ ऐसी संस्थाएं होती है जो इन सब कचरों को इकट्ठा कर रही है आप गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करके प्रबंधन कार्य को आसान अवश्य करें। प्लास्टिक से बने सामान पॉलिथीन के बजाय कपड़े या जूट के थैलों का इस्तेमाल घर के सामान खरीदें। आजकल ज्यादातर जगह पर प्लास्टिक प्रचलन बंद हो गया है इसलिए मार्केट जाने से पहले अपने साथ कपड़े का थैला अवश्य रखें। किचन के लिए प्लास्टिक की चीजें खरीदने से बचें और पैकेजिंग वाली चीजें कभी ना खरीदें कोल्ड ड्रिंक का प्रयोग और बंद बोतल के पानी का प्रयोग कम से कम करें यदि आप घर के बाहर जाते हैं तो अपने घर से पानी की बोतल साथ में ले जाए। पुराने कपड़े फर्नीचर आदि को डोनेट करें घर का कुछ कचरा कूड़े में डाला जाए तो इसे पर्यावरण को बहुत नुकसान होता है। सेनेटरी पैड का मैनेजमेंट भी एक बड़ी समस्या है ज्यादातर पैड में 80 फीसदी तक प्लास्टिक होता है हालांकि अब निमार्ताओं के लिए नियम लागू कर दिया गया है कि वह प्लास्टिक को कम से कम करें अब तो सेनेटरी पैड के साथ कुछ पैकेट भी मिलते हैं जिस में प्रयोग किए हुए सेनेटरी पैड को रखा जा सकता है। ऐसे कचरों को फैलाना नहीं चाहिए क्योंकि इससे खतरा उत्पन्न होता है इसे कहीं गड्ढे में दबा सकते हैं लेकिन अन्य कूड़े के साथ इसे नहीं मिलाना चाहिए क्योंकि राह पर चलने वाले पशु जैसे गाय, भैंस, बकरी इत्यादि इसका सेवन कर लेते है और मौत के मुँह में जा सकते हैं। इसका प्रयोग करने से और कूड़े को जलाने से आसपास होने वाले प्रदूषण से लोगों को नुकसान हो सकता है उचित होगा कि इसे किसी उचित स्थान पर ले जाकर दफनाया जा सके। स्वच्छ साफ सुथरा वातावरण बनायें ताकि हानि किसी की भी ना हो तभी देश की स्थिति बदलेगी।

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

शहर भाजपा के पूर्व अध्यक्ष संजय जैन ने सादगी से मनाया अपना जन्मदिन

जयपुर. शाबाश इंडिया

शहर भाजपा के पूर्व अध्यक्ष संजय जैन ने सादगी से मनाया अपना जन्मदिन मनाया। सर्वप्रथम सांगानेर संघी जी मंदिर में प्रात पूजा दर्शन कर पिंजरापोल गौशाला में गायों को चारा गुड आदि खिलाया। दोपहर में उनके निवास विवेक विहार पर उन्हें बधाई देने वालो में पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत, युनुस खान, श्रीचंद कृपलानी, पूर्व विधायक सुरेंद्र पारीक, कैलाश वर्मा, उपमहापौर पुनीत कर्णावट , पूर्व महापौर विष्णु लाटा, शील धा भाई, पूर्व उप महापौर मनोज भारद्वाज, राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द्र जैन, महामंत्री मनीष बेद, शाबाश इंडिया के संपादक राकेश गोदिका, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन के अध्यक्ष राजेश बड़जात्या, जैन सोशल ग्रुप कैपिटल के निर्वाचित अध्यक्ष अनिल रावका, चेतन निमोडिया, विनोद जैन, ज्योतिषाचार्य विनोद जैन, सुनील जैन, युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, इंद्रा बड़जात्या आदि अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे ।

बुजुर्ग यात्री सम्मेद शिखर की वंदना को रवाना

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

200 बुजुर्ग जैन तीर्थ यात्रियों को सम्मेद शिखर पारसनाथ पर्वत की यात्रा वंदना करने के लिए आज प्रातः श्रद्धालु भक्तजनों का जत्था बस और छोटी गाड़ी के द्वारा रवाना हुआ । इस तीर्थ यात्रा के परम संरक्षक सुशील जैन छाबड़ा, महावीर जैन पांड्या और किशोर जैन पांड्या ने झंडा दिखाकर बस को रवाना किया। सम्मेद शिखर में सभी श्रद्धालु भक्तजन मधुबन प्रातः 2:00 बजे डोली के द्वारा 27 किलोमीटर पहाड़ की परिक्रमा यात्रा करेंगे , समाजसेवी सुरेश झाझंरी और समाज के पदाधिकारियों ने इस यात्रा का बीड़ा उठाने वाले कार्यक्रम के संयोजक रोनक कासलीवाल, लोकेश पाटोदी, सुमीत सेठी और उनकी पूरी टीम को बधाई दी। निवर्तमान पार्षद पिंकी जैन ने कहां की सम्मेद शिखर पर्वत का कन कन पूजनीय है पूरे विश्व और भारतवर्ष से जैन धर्म के हजारों लोग प्रतिदिन इस तीर्थ क्षेत्र में आते हैं, सभी जैन धर्म के अनुयाई अपने जीवन में एक बार इस तीर्थ की यात्रा करना अवश्य करना चाहते हैं, संतो और शास्त्रों के मान्यता के अनुसार एक बार इस पर्वत की भावपूर्ण वंदना करने से मनुष्य को नरक गति और पशु गति से छुटकारा मिल जाता है ।पिंकी जैन ने धर्म और श्रद्धा के इस नेक काम करने के लिए जैन समाज की युवा टीम को बधाई दी और कहा कि भारतवर्ष में धर्म और संस्कृति की परंपरा युवाओं के बल पर ही आगे बढ़ सकती, युवा ही देश के धरोहर है यह सभी जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी राजकुमार अजमेरा,नविन जैन ने दी।

शुद्ध मन पापों से रहित होता है- आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी

जिला जेल मुरेना में कैदियों को दिया उदबोधन

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। मन को शांत रखना बहुत बड़ी साधना है। इच्छाएं मन को अशांत करती हैं ।आज भौतिक वादी युग में अशांति का एक कारण मोबाइल भी है। मोबाइल का जितना ज्यादा दुरुपयोग करोगे, मन उतना ही ज्यादा अशांत रहेगा ।व्यक्ति मोबाइल में जिस तरह के चित्र देखता है, फिर उसे पाने की लालसा उसके मन में जाग्रत होती है। उन इच्छाओं की पूर्ति के लिए वह गलत काम करने लगता है। इसे ही पाप कहा जाता है। जब गलत देखोगे तो मन में गंदगी एकत्रित होगी। जब गलत नहीं देखोगे तो मन शुद्ध रहेगा। शुद्ध मन पापों से रहित होता है। व्यक्ति अपनी इच्छापूर्ति के लिए चोरी करता है, दूसरों के धन को हड़पता है।

आप विचार कीजिये कि जिस व्यक्ति के धन को आपने हड़पा है या जिस व्यक्ति के यहां आपने चोरी की है वह कितना दुखी हुए होगा। जब वह दुखी है तो आप सुखी कैसे रह सकते हो। आप किसी न किसी अपराध में यहां कैद हैं। आपको अपने किये अपराध का प्रायश्चित करना चाहिए। बन्दीगृह में बंद रहते हुए भी प्रभु भक्ति करते हुए, मन की शुद्धि करते हुए नेक इंसान बनने का प्रयास करना चाहिए। उक्त विचार जैन साध्वी गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी ने जिला जेल मुरेना में कैदियों को संबोधित करते हुये व्यक्त किये। पूज्य गुरुमां ने कैदियों से कहा कि मन बचन काय से अपराध और पाप होते हैं। पाप की मुख्य जड़ मन है ।जिस प्रकार घर की सफाई हम प्रतिदिन करते हैं, उसी प्रकार हमें प्रतिदिन मन की सफाई भी करना चाहिए। कहा गया है कि गन्दे घर में लक्ष्मी का वास नहीं होता, उसी प्रकार गन्दे मन में ईश्वर का वास नहीं होता। मन को साफ रखने के लिए ईर्ष्या, राग, द्वेष से दूर रहकर अपने इष्ट की आराधना करना चाहिए। मन को साफ रखने के लिए प्रयास और मेहनत की आवश्यकता होती है। बाहर का कचरा तो सबको दिखता है, किंतु मन का कचरा तो हमें स्वयं देखना होगा। क्रोध, मान, माया, लोभ, हिंसा, चोरी, कुशल और परिग्रह के कारण ही मन अशांत रहता है ।हम अपने मन में बैर, राग, द्वेष रूपी कचरे को इकट्ठा किये रहते हैं। यही पाप का मूल कारण हैं।

तीन दिवसीय योग साधना शिविर संपन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया

डॉ.सुन्दरलाल दक की छठी पुण्यतिथि पर निःशुल्क तीन दिवसीय योग साधना शिविर योग सेवा समिति परिसर में संपन्न हुआ। योग सेवा समिति संचालक प्रेम दक ने बताया कि शिविर के अंतिम दिन पतंजलि योग पीठ की ज़िला प्रभारी आचार्या अनीता पालीवाल ने योगासन, प्राणायाम और योग नृत्य के माध्यम से साधकों को प्रभावपूर्ण अभ्यास करवाया। योग प्रशिक्षक गिरिराज पालीवाल ने तालिवादन और हास्यासन से सभी को आनंदित कर दिया। इस अवसर पर निःशुल्क शुगर, बी. पी. की जाँच की गई तथा मौसमी बीमारियों के लिये आयुर्वेदिक काढ़े का वितरण किया गया। आयोजन समिति की ओर से बताया गया कि सोमवार से नियमित योग कक्षाएं सुबह 7-8 बजे चलेंगी। बता दें, इस अवसर पर योग प्रशिक्षकों का सम्मान भी किया गया । इस दौरान डॉ. शांतिलाल सारनोत, डॉ. शांतिलाल मेहता, संजय दक, रविकान्त जोशी, ज्ञानेन्द्र मेहता, विजयबहादुर, ममता सोलंकी आदि उपस्थित थे। अंत में योग प्रशिक्षक सुरेश पालीवाल ने सभी सदस्यों का आभार जताया।

रिपोर्टः राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल:9829050939

जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा रक्तदान शिविर आज 14 मार्च को श्री महावीर कॉलेज में

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन के तत्वावधान में होगा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा राजस्थान रीजन के तत्वावधान में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन श्री दिगंबर जैन महावीर शिक्षा परिषद के सहयोग से श्री महावीर कॉलेज सी स्कीम के प्रांगण में मंगलवार 14 मार्च को प्रात 9 से 1 बजे तक लगाया जायेगा। शिविर में सन्मति ग्रुप के सदस्य , रीजन पदाधिकारी तथा शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमराव मल संघी अपनी पूरी कार्यकारिणी के साथ उपस्थित रहकर रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करेंगे। सन्मति ग्रुप के अध्यक्ष राकेश समता गोदिका ने बताया कि मानव सेवार्थ ग्रुप द्वारा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से आगामी महावीर जयंती तक लगभग 30 रक्तदान शिविर विभिन्न स्थानों पर लगाये जायेंगे। शिविर परामर्शक दर्शन जैन व समन्वयक मनीष लोंग्या ने बताया कि भगवान महावीर की 2621 वी जन्म जयंती पर मानव सेवार्थ 2621 यूनिट रक्त एकत्र करने के लक्ष्य के साथ आयोजित इस अभियान का दूसरा शिविर आगामी 17 मार्च को जनक पूरी जैन मंदिर के संयम भवन में आयोजित किया जायेगा। रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या के अनुसार रविवार 19 मार्च को एक साथ 8 शिविर का आयोजन विभिन्न स्थानों पर किया जायेगा।

लोजीबर्ड ने जीता नेट गियर प्रीमियर पर खिताब

उदयपुर. शाबाश इंडिया

कंप्यूटर ट्रेडर्स एसोसिएशन की ओर से 11-12 मार्च को दो दिवसीय क्रिकेट टूनार्मेन्ट (नेटगियर प्रिमीयर लीग) का उद्घाटन एम.बी. कॉलेज ग्राउंड पर उप महापौर पारस सिंघवी और क्षेत्रिय पार्षद राकेश जैन ने किया। गौरतलब है कि इस लीग में 6 टीमों का गठन कर के उन्हें 2 ग्रुप में बाँटा गया। फाइनल मैच लोजिबर्ड एवं सिक्योर आई टीमों के बीच खेला गया। सिक्योर आई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 97 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए निर्मल मेनारिया के 42 गेंदों पर 51 रन की मदद से टीम लोजिबर्ड ने 10 विकेट से यह फाइनल मैच जीतकर 2023 का नेटगियर क्रिकेट कप खिताब अपने नाम किया। टूर्नामेंट में विपुल अग्रवाल को मेन ऑफ द सीरीज, निर्मल मेनारिया को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, दीपेश कुनावत को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, मकबूल अहमद को सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक एवं विकास अग्रवाल को सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर चुना गया। टूर्नामेंट की मुख्य प्रायोजक कंपनी नेटगियर के बजरंग, राजस्थान कंप्यूटर ट्रेडर्स एसोसिएशन अध्यक्ष सुग्रीव एवं कम्युनीकेशन & कम्प्यूटर्स मेग्जीन से योगेश समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अन्त में सभी पधारे हुए अतिथियों एवं खिलाड़ियों का स्वागत एसोसिएशन अध्यक्ष विकास अग्रवाल एवं अन्य पदाधिकारियों व संस्था के वरिष्ठ सदस्यों ने किया।

रिपोर्ट/फोटोः दिनेश शर्मा, मोबाइलः 9828540157

कला या तकनीक में बदलाव को सकारात्मक लें युवा, सतत सृजन ही सफलता की कुंजी है: धुमाल

ऑल इंडिया मल्टी मीडिया प्रिंट मेकर्स कैंप : तीसरा दिन

उदयपुर. शाबाश इंडिया। झीलों की नगरी में अंबामाता स्कीम स्थित टखमण आर्ट सेंटर पर आयोजित पांच दिवसीय मल्टी मीडिया प्रिंट मेकर्स कैंप के तीसरे दिन सोमवार को स्थानीय कलाकारों संग बाहर से आए कलाधर्मी अपनी अपनी विधाओं में सृजन करते नजर आए। बता दें, शनिवार को पांच दिनी मल्टी मीडिया प्रिंट मेकर्स कैंप का आगाज राजस्थान ललित कला अकादमी अध्यक्ष लक्ष्मण व्यास ने किया। इसमें उदयपुर सहित दिल्ली, कुरुक्षेत्र, पुणे, वड़ोदरा के अलावा देश के अन्य राज्यों से आए प्रिंट मेकर्स कला साधना कर रहे हैं। समन्वयक संदीप पालीवाल ने बताया कि केंद्र पर सभी कला साधक और सर्जक उत्तरायण गैलेरी वड़ोदरा से आए वरिष्ठ प्रिंट मास्टर पी. डी. धुमाल से इस मीडियम की बारीकियां समझ रहे हैं। गौरतलब है कि धुमाल पिछले 55 साल से इस विधा में सतत क्रियाशील हैं। साथ ही उन्होंने हजारों कला विद्यार्थियों को अपने ज्ञान और अनुभव से लाभान्वित किया है। इस कला और तकनीक में आए बदलाव को लेकर धूमाल बहुत आशान्वित और सकारात्मक नजर आते हैं। उनका कहना है कि बदलाव तो शाश्वत सत्य है, जो कल था वो इतिहास हो गया आज जो है वो आने वाले कल नहीं रहेगा। समय के साथ फाइन आर्ट में भी कई सारे बदलाव हुए हैं और होते रहेंगे। इसी के बीच कई वरिष्ठ कलाकारों ने नए प्रतिमान और कीर्तिमान स्थापित किए तो नई पीढ़ी ने डिजिटल एरा में आधुनिकतम तकनीक को लेकर काफी अच्छा काम किया है, इसलिए निराशा की कहीं कोई बात नहीं है। इसी तरह प्रिंट मेकर्स कैंप को लेकर हिना भट्ट काफी उत्साही नजर आईं। उन्होंने उम्मीद जताई कि उदयपुर में इस तरह के आयोजन से युवा कलाकारों के लिए वरिष्ठ कलाकारों से सीखने के बेहतर अवसर मिलेंगे। साथ ही ग्राफिक स्टूडियो के अधिकाधिक प्रयोग से नए कलाकारों को प्रोत्साहन भी मिलेगा। गौरतलब है कि हिना भट्ट आर्ट वेंचर्स ने लेकसिटी के टखमण आर्ट सेंटर में ग्राफिक स्टूडियो की स्थापना में महती भूमिका निभाई है। उल्लेखनीय है कि इस कैंप में वड़ोदरा से जयंती रबाड़िया और विजय बागोडी, कुरुक्षेत्र से ईशु जिंदल, दिल्ली से डॉ.शीतल चौधरी, जयपुर से विद्यासागर उपाध्याय, उदयपुर से प्रो.सुरेश शर्मा, एल एल वर्मा, ललित शर्मा, आर के शर्मा, ज्योतिका राठौर, डिंपल चंडात, डॉ.एम एल जाट, डॉ. सुनील निमावत, डॉ. रघुनाथ शर्मा और शाहिद परवेज भागीदारी निभा रहे हैं। शिविर के समापन अवसर पर बुधवार को प्रवासी विमला उपाध्याय और पुणे की हिना भट्ट को सम्मानित किया जाएगा। **रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल : 9829050939**

आपे ने लॉन्च किया इलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर कार्गो व पेसेन्जर ऑटो

उदयपुर. शाबाश इंडिया

इटली की तिपहिया वाहन निर्माता कंपनी पियाजिओ आपे ने आमजन की सहायता के लिये नवीन तकनीक का उपयोग करते हुए कंपनी डीलर सचिन मोटर्स पर नया इलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर कार्गो एवं पेसेन्जर ऑटो लॉन्च किया। सचिन मोटर्स निदेशक सिद्धान्त सिंघवी ने बताया कि कंपनी ने इस कार्गो में फिक्स्ड बैटरी दी है। इस केटेगरी के वाहनों में कंपनी डेढ़ लाख किमी. की वारंटी दी है। इसकी बॉडी बहुत मजबूत है। तथा इसकी बैटरी बहुत आसानी से होम चार्जिंग हो सकती है। इसके अलावा इसमें काफी फीचर्स दिये गये है। जिससे बहुत कम वाईब्रेशन होता है व काफी कम आवाज आती है। इसमें गियर व क्लच नहीं दिया गया है। बता दें, ऑटो में 8 किलोवॉट की बैटरी दी गई है, जो करीब पौने चार घंटे में फुल चार्ज हो जाती है। ऐसे में इसकी ऑपरेशन कोस्ट 40 पैसा प्रति किलोमीटर आती है।